26 जुलाई, 2016

उत्तरी अमेरिका के नेताओं का शिखर सम्मेलन: एक सिंहावलोकन

*डॉ स्तुति बैनर्जी**

उत्तरी अमेरिकी नेताओं का शिखर सम्मेलन (एन.ए.एल.एस.) संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको के शासनाध्यक्षों का वार्षिक समागम है। एन.ए.एल.एस. उत्तरी अमेरिका के नेताओं को तीनों देशों के बीच सुरक्षित और निकट संबंधों के लिए अपने विचारों और उक्त लक्ष्य की दिशा में एक साथ मिलकर काम करने के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करता है। यह तीनों देशों की सीमाओं के आर-पार व्यवसायों और लोगों की स्वतंत्र रूप से आवाजाही में सहायता करने हेतु एक मंच है। एन.ए.एल.एस. की पहली बैठक 2005 में वाशिंगटन डी.सी. में आयोजित की गई थी। तब से, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको ने विभिन्न प्रयासों में, विशेष रूप से एन.ए.एल.एस के त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलनों में अपनी भागीदारी बढ़ाकर व्यापक आर्थिक और सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने का प्रयास किया है।

एन.ए.एल.एस. ने पिछले कई वर्षों में इस क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के संबंध में कई त्रिपक्षीय पहलों का नेतृत्व किया है। सामान्यत:, या तो त्रिपक्षीय या द्विपक्षीय प्रयासों के माध्यम से, सहयोग बढ़ाने के प्रयासों ने पहले एन.ए.एल.एस. के बाद बनाए गए विशेष कार्यदलों की अनुशंसाओं का पालन किया है। इन अनुशंसाओं में शामिल हैं:

(1) आर्थिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए नियामकीय सहयोग

(2) व्यापार सुविधाजनक बनाने और सीमा पारगमन में संरचनागत अड़चनों और भीड़भाड़ को कम करने के लिए दीर्घकालिक सीमा अवसंरचना नियोजन और समन्वय।

(3) ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण बढ़ाने के लिए ऊर्जा दक्षता मानकों का सामंजस्यीकरण

(4) खाद्य पदार्थों और उत्पादों की सुरक्षा पर सहयोग और सूचना सहभाजन, और

(5) संकट के समय एक-दूसरे की त्वरित और अधिक कुशलता से अनुक्रिया करने में सहायता करने के लिए उत्तर अमेरिकी आपातस्थिति समन्वय।[1]

उत्तरी अमेरिकी प्रतिस्पर्धात्मकता और सुरक्षा सहयोग के प्रस्तावक एन.ए.एल.एस. को विशेष रूप से आर्थिक प्रतिस्पर्धा, शिक्षा, ऊर्जा सहयोग और नागरिक सुरक्षा के क्षेत्रों में सभी तीनों देशों हेतु पारस्परिक हित और लाभ के मुद्दों को संबोधित करने के रचनात्मक तंत्र के रूप में देखते हैं। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन की एक उपलब्धि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने का सर्वसम्मत निर्णय था। कुछ आलोचकों का मानना है कि यह शिखर सम्मेलन वास्तविक रूप से पर्याप्त नहीं है और उत्तरी अमेरिक के नेताओं को इस शिखर सम्मेलन को अनुवर्तन तंत्र के साथ अधिक परिणामी, कार्य उन्मुख समागम में समेकित करना चाहिए। अन्य का मानना है कि इन प्रयासों में मानवाधिकार के मुद्दों और मेक्सिको में मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित हिंसा और संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में मादक पदार्थों के अवैध व्यापार पर चर्चा नहीं शामिल है। 2016 के शिखर सम्मेलन में इनमें से कुछ मुद्दों पर चर्चा की गई थी। बहरहाल, इस शिखर सम्मेलन में दक्षिण अमेरिका और कैरेबियाई देशों में राजनीतिक अस्थिरता का उल्लेख नहीं किया गया।

एन.ए.एल.एस. ने उत्तरी अमेरिक के व्यापार सहभागियों के बीच संचार और सहयोग बढ़ाने के तंत्र के रूप में कार्य किया है, लेकिन कुछ का कहना है कि चूँकि यह कोई बाध्यकारी समझौता नहीं है, इसलिए आर्थिक समृद्धि और सुरक्षा बेहतर बनाने में एन.ए.एल.एस. की भूमिका सीमित रही है। ऐसा इन कारणों से है कि कुछ विद्वानों का मानना है कि यदि एन.ए.एल.एस. को विभिन्न मंत्रालय/विभाग प्रमुखों द्वारा अनुवर्तन बैठकें आयोजित करनी होती, तो यह लाभप्रद होता, जो उन विभिन्न पहलों पर हो रही प्रगति पर दृष्टि रखते, जिन पर सहमति हुई है। हालांकि, वे चेतावनी देते हैं कि एन.ए.एल.एस. का लाभ यह है कि यह अनिवार्य रूप से तीन शासनाध्यक्षों के बीच समागम है। यह नेताओं के लिए स्पष्ट चर्चा के माध्यम से स्वयं समस्याओं से निपटना और समाधान करना और साथ ही पारस्परिक विश्वास का निर्माण करना संभव बनाता है। यह वह मंच है जहाँ कठिन मुद्दों की समीक्षा की जा सकती है और संयुक्त रणनीति पर शीघ्रता से निर्णय लिया जा सकता है। इन शिखर-सम्मेलनों में जो कुछ निष्पादित किया गया है उसके कुछ उदाहरणों में शामिल हैं: एवियन फ्लू, एबोला और अब ज़ीका जैसी महामारियों के प्रति अनुक्रियाओं का समन्वय करने की प्रणाली स्थापित करना; संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको 2030 तक एड्स, तपेदिक और मलेरिया महामारी समाप्त करने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं, जैसा कि संधारणीय विकास लक्ष्यों में परिलक्षित होता है; तूफान, भूकंप, या अन्य आपदाओं के प्रति अनुक्रिया में सहायता प्रदान करने वाले आपातस्थिति कार्मिकों की योग्यता को मान्यता प्रदान करना; और संदूषित मांस या

सब्जियों जैसे खराब खाद्य उत्पादों को लक्षित करने में सहायता करने वाला पादपस्वच्छता प्रोटोकॉल विकसित करना और केवल जो दूषित हैं उन्हें नष्ट करना न कि मनमाने तरीके से कंपनी के पूरे स्टॉक को नष्ट करना। पिछले शिखर सम्मेलनों में, नेताओं ने प्रशांत-पार सहभागिता में भागीदारी, अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से लड़ने और जलवायु परिवर्तन पर एक साथ मिलकर काम करने जैसे वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की थी।[4]

एन.ए.एल.एस. 2016

29 जून 2016 को, राष्ट्रपति बराक ओबामा और राष्ट्रपति एनरिक पेना नीटो ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा आयोजित नौवें शिखर सम्मेलन के लिए ओटावा की यात्रा की। (कनाडा ने 2010 में शिखर सम्मेलन की मेजबानी नहीं की थी, और संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2011 की बैठक को 2012 तक स्थगित कर दिया था। कनाडा द्वारा आयोजित किया जाने वाला 2015 का शिखर सम्मेलन प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर द्वारा रद्द कर दिया गया था)। 2016 का इन नेताओं का समागम तीन कारणों से दिलचस्प था: यह राष्ट्रपति ओबामा का अंतिम एन.ए.एल.एस. शिखर सम्मेलन और कनाडा की उनकी संभावित अंतिम आधिकारिक यात्रा थी; 2012 में अपने निर्वाचन के बाद से यह राष्ट्रपति पेना नीटो की कनाडा की पहली आधिकारिक यात्रा थी; और यह पहली बार था कि प्रधान मंत्री ट्रूडो ने अक्टूबर 2015 में अपने निर्वाचन के बाद अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और साथ ही अपने पहले एन.ए.एल.एस. की भी की मेजबानी की।

जून 2016 के एन.ए.एल.एस. के बाद, राष्ट्रपति ओबामा, राष्ट्रपति पेना नीटो और प्रधान मंत्री ट्रूडो ने नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा पर पहलों की घोषणा की। इनमें शामिल हैं:

- यह सुनिश्चित करना कि उत्तरी अमेरिका की 50 प्रतिशत ऊर्जा 2025 तक पवन, सौर, परमाणु और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि के माध्यम से "स्वच्छ" स्रोतों से आए;
- 2016 के शिखर सम्मेलन में उत्तर अमेरिकी जलवायु, ऊर्जा और पर्यावरण सहभागिता की घोषणा की गई थी। यह कार्य योजना स्थायी सहभागिता के भाग के रूप में तीनों देशों द्वारा हासिल किए जाने वाले प्रदेयों और की जाने वाली गतिविधियों की पहचान करती है।
- औषध, सौंदर्य प्रसाधन, रबड़, धातु, और औद्योगिक और विद्युत मशीनरी सहित उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला पर मूलोत्पत्ति के नियम उदार बनाना;
- व्यवसाय के लिए लागत कम करना और आपूर्ति श्रृंखला दक्षता में सुधार लाकर और नवाचार आगे बढ़ाकर सहभागिता सुगम बनाना;

- जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा, विनिर्माण और देशज लोगों पर संयुक्त अनुसंधान जारी रखना और शिक्षाविदों और अन्य के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए सहयोगात्मक विकास के लिए उत्तरी अमेरिकी केंद्र का निर्माण करना;
- महिलाओं के स्वामित्व वाले लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना;
- 2016 के अंत तक उत्तरी अमेरिकी यात्री व्यवस्था और 2017 के अंत तक एकल पोर्टल आवेदन के प्रति प्रतिबद्ध होना;
- नियामकीय सहयोग बढ़ाकर देशों के ऊर्जा क्षेत्रों के अधिक से अधिक संरेखण का प्रयास करना;
- शरणार्थी संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करना और मध्य अमेरिकी शरणार्थियों और शरण चाहने वालों के लिए संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त को 10 मिलियन डॉलर का वचन देना; तथा
- सुरक्षा संबंधी खतरों के बारे में आम समझ बढ़ाकर और सुरक्षा से संबंधित मामलों पर प्रभावी, समन्वित और कुशल दृष्टिकोण विकसित करके सुरक्षा और रक्षा पर प्रतिबद्धता जारी रखना
- नेताओं ने महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर-सुरक्षा बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि की। ऐसा सार्वजनिक साइबर-सुरक्षा जागरूकता अभियान (स्टॉप. थिंक. कनेक्ट) के माध्यम से और त्रिपक्षीय साइबर विशेषज्ञ समूह के माध्यम से किया जाएगा।
- संधारणीय विकास लक्ष्यों का 2030 का एजेंडा कार्यान्वित करने के लिए संयुक्त और समन्वित कार्यों की दिशा में काम करना, जिसमें संधारणीय विकास लक्ष्य (एस.डी.जी) और अदिस अबाबा कार्रवाई एजेंडा शामिल हैं।[7]

तीन राष्ट्रों का एन.ए.एल.एस.

उत्तरी अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौता (नाफ्टा) अब दो दशक से अधिक पुराना हो गया है। इसने उत्तरी अमेरिका को विश्व का सर्वाधिक उत्पादक क्षेत्र बना दिया है, लेकिन इसके द्वारा आगे बढ़ाया गया व्यापार और निवेश स्थिर हो गया है। समय बीतने के साथ इसकी अधिकाँश मूल संरचनाएँ निष्क्रिय हो गई हैं। हालांकि यह क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की आधारशिला बना हुआ है, लेकिन अब यह सकारात्मक परिवर्तन का वाहक नहीं है। वास्तव में, तीनों देशों ने प्रतिस्पर्धा को गहरा बनाने के लिए अन्य साधनों की आजमाया है। एन.ए.एल.एस. ऐसा ही एक साधन है, जिसने तीनों देशों को अपने बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए बहुपक्षीय फोरम के साथ-साथ मंच भी प्रदान किया है।

कनाडा के लिए अपनी अर्थव्यवस्था का निर्माण करना और संवृद्धि को बनाए रखना प्राथमिकता रहा है। उसने सार्वजनिक वित्त योजनाओं, बैंकिंग सुधारों को समर्थन, मुक्त व्यापार समझौतों और व्यावसायिक वातावरण का स्वागत करके इसे हासिल करने का प्रयास किया है। वह चाहता है कि उत्तरी अमेरिका एक क्षेत्र के रूप में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहे। बहरहाल, कनाडा अमेरिका-मेक्सिको के घनिष्ठ व्यापारिक संबंधों को लेकर सजग है और वह नहीं चाहेगा कि यह दोनों में से किसी भी देश के साथ उसके व्यापारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाले।

कनाडा मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा स्थापित किए गए उत्तर अमेरिकी विकास बैंक (एन.ए.डी.बी.)[9] के भविष्य पर विचार-विमर्श में भी शामिल हो सकता है। उत्तर अमेरिकी विकास बैंक का मुख्यालय सैन एंटोनियो में है। संयुक्त राज्य अमेरिका और मैक्सिको ने अपनी साझा सीमा के समानांतर पर्यावरण से संबंधित अवसंरचना परियोजनाओं का वित्तपोषण करने के लिए 1994 में एन.ए.डी.बी. की स्थापना की थी। कनाडा इसलिए शामिल नहीं हुआ था क्योंकि उसकी सीमा के साथ ऐसी चुनौतियाँ नहीं थी। यह बैंक कुछ सफलताएँ हासिल करने में सफल रहा है, लेकिन अब दायरे में महाद्वीपीय नई अवसंरचना परियोजनाओं का वित्तपोषण करने के लिए इसका पुनर्गठन करने की आवश्यकता है।

कनाडा को नाफ्टा की बहुत सी संरचनाओं के पुनरावलोकन के प्रयास का नेतृत्व करना चाहिए, जिनमें से कई ने प्रासंगिक उद्देश्य बनाए रखा है, और यह पता लगाना चाहिए कि कुछ चुनिंदा संरचनाओं को कैसे पुनर्जीवित किया जाए। उदाहरण के लिए, अर्ध-स्वतंत्र निकायों के रूप में, श्रम और पर्यावरण आयोगों को अपने संबंधित क्षेत्रों में प्रमुख उत्तर अमेरिकी मुद्दों की चर्चा का समर्थन करने और क्षेत्रीय दृष्टिकोण की नींव रखने के लिए अनुसंधान अधिदेश दिया जा सकता है।[10]

संयुक्त राज्य अमेरिका अपने शीर्ष व्यापारिक साझेदारों से घिरा है। दोनों उसकी अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं और इस क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में वह अपने दोनों पड़ोसियों के साथ अपने संबंधों से लाभान्वित होता है। कनाडा और मैक्सिको संयुक्त राज्य अमेरिका के दूसरे और तीसरे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं। (उनके साथ वार्षिक रूप से होने वाला व्यापार $1.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है।)[11] इस क्षेत्र की सर्वाधिक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में वह क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति बड़ी जिम्मेदारी भी निभाता है। इसकी विदेश नीति कनाडा और मैक्सिकों की विदेश नीतियों की मुख्य निर्धारक तत्व है। दोनों देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो सब किया जाता है, उसके लिए उनकी अनिवार्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ तुलना की जाती है। ओबामा प्रशासन के अधीन संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्तरी अमेरिका को प्रभावित करने वाले सर्वाधिक मौलिक परिवर्तनों का मार्गदर्शन करने पर विशेष रूप से ध्यान दिया जिसमें जलवायु परिवर्तन से लेकर शेल गैस की खोज

के माध्यम से ऊर्जा प्रचुरता पर चर्चा शामिल है। संयुक्त राज्य अमेरिका को क्षेत्रीय ऊर्जा एकीकरण का समर्थन करना, विदेश नीति अभिसरण के अवसर पता लगाना और पर्यावरणीय प्रबन्धन प्रदान करना जारी रखना चाहिए। पर्यावरण और हरित विकास पर ध्यान केंद्रित करना ऊर्जा के चारों ओर संस्थापित शिखर सम्मेलन का अनुपूरक होगा। यह वास्तविक समस्या को संबोधित करेगा और ओबामा प्रशासन की "हरित विरासत" का समर्थन करेगा।[12]

मेक्सिकों के ऐसे संबंध हैं जो संयुक्त राज्य अमेरिका और साथ ही साथ लैटिन अमेरिका की आबादी के ताने-बाने में गहराई तक पहुंचते हैं। फलस्वरूप, मैक्सिको इस क्षेत्र में गतिशीलता और लोगों से लोगों के बीच संबंधों के अग्रस्थान पर अद्वितिय रूप से अवस्थित है। वह उत्तरी अमेरिकी क्षेत्रवाद के लिए अधिक समावेशी दृष्टिकोण का भी मार्ग प्रशस्त कर सकता है। मेक्सिको लंबे समय से प्रवासियों के अधिकारों का अधिवक्ता रहा है, और अवैध प्रवासन और अकेले नाबालिगों की स्थिति सहित प्रवासन के मुद्दों को संबोधित करना निश्चित रूप से इस क्षेत्र के लाभप्रद होगा। उत्तरी अमेरिका को न केवल सीमा पर, बल्कि आर्थिक क्षेत्र में भी लोगों की वैध आवाजाही सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता है।[13]

शिखर सम्मेलन का द्विपक्षीय पहलू

एन.ए.एल.एस. तीन देशों को गहरे द्विपक्षीय संबंधों को जारी रखने का भी अवसर प्रदान करता है। ओबामा प्रशासन भी नियामकीय सहयोग में वृद्धि करने, सीमा सुरक्षा बढ़ाने, आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने और ऊर्जा एकीकरण जारी रखने के लिए कनाडा और मैक्सिको दोनों के साथ द्विपक्षीय प्रयासों में लगा रहा है। उदाहरण के लिए, फरवरी 2011 में, राष्ट्रपति ओबामा और कनाडा के प्रधान मंत्री हार्पर ने सीमा से परे कार्ययोजना की घोषणा की: जो वैध व्यापार और यात्रा में तेजी लाते हुए, अमेरिका-कनाडा सीमा के भीतर, में और बाहर खतरों को दूर करने के लिए नई दीर्घकालिक सहभागिता की स्थापना करने वाली परिधि सुरक्षा और आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता की साझा दृष्टि है। दोनों सरकारों ने नियामकीय दृष्टिकोणों के संरेखण में सुधार लाने के लिए अमेरिकी-कनाडा नियामकीय सहयोग परिषद का भी सृजन किया है।

दोनों राष्ट्रों ने संधारणीय विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक-दूसरे के साथ काम करने का भी संकल्प लिया है। वे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का शमन करने के लिए भी एक साथ काम कर रहे हैं जो आर्कटिक के निकट रहने वाली दोनों देशों की मूल आबादी को प्रभावित कर रहा है। कनाडा की संसद में अपने भाषण के दौरान, राष्ट्रपति ओबामा ने एच.एफ.सी ग्रीनहाउस गैसों को चरणबद्ध रूप से हटाने की अपील की। इस उत्तरी अमेरिकी जलवायु, स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण सहभागिता के भाग के रूप में, तीनों राष्ट्रों ने राष्ट्रीय रूप से संबंधित निर्धारित आंशदान (एन.डी.सी.)

कार्यान्वित करने और इन प्रयासों पर प्रगति साझा करने, समय के साथ अपनी महत्वाकांक्षा बढ़ाने के लिए काम करने, और जहां उपयुक्त हो सहयोग करने पर प्रतिबद्धता जताई है।

कैबिनेट स्तर की वार्षिक बैठकों के माध्यम से आर्थिक और वाणिज्यिक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और मैक्सिको की अमेरिका-मेक्सिको उच्च स्तरीय आर्थिक वार्ता (एच.एल.ई.डी) चल रही है जिसमें सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के नेतृत्वकर्ता भी शामिल हैं। मेक्सिको के साथ अन्य द्विपक्षीय प्रयासों में नियामकीय सिद्धांतों को संरेखित करने में सहायता के लिए उच्च स्तरीय नियामकीय सहयोग परिषद (एच्एल.आर.सी.सी.) शामिल है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका-कनाडा नियामकीय सहयोग परिषद के समान एक प्रयास है। इसके अलावा, 2010 में आरंभ किए गए ट्वेंटी फर्स्ट सेंटर बॉर्डर मैनेजमेंट से संबंधित घोषणा पत्र के अंतर्गत दोनों देशों की सीमा के प्रबंधन के लिए यह एक द्विपक्षीय पहल भी है।

संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिको ने शरणार्थी शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी करने का निर्णय लिया था जो 2016 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के साथ आयोजित किया जाना था। उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी से लड़ने में भी संयुक्त सहयोग की घोषणा की है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने घोषणा की कि वह उपचार सुधारने और मादक दवाओं के दुरुपयोग के निवारण के साथ ही तस्करी से लड़ने के लिए कानून प्रवर्तन और प्रतिबंध के लिए एक बिलियन डॉलर उपलब्ध कराएगा। दोनों राष्ट्रों ने स्वच्छ ऊर्जा और ग्रीनहाउस गैसों को कम करने की दिशा में काम करने के लिए भी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। अमेरिकी-कनाडाई अनुभव के आधार पर निर्मित, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका ने गहन द्विपक्षीय विद्युत विश्वसनीयता सहयोग के लिए समान वैचारिक प्रतिमान पता लगाने के लिए चर्चाएं आरंभ की है।[14]

निष्कर्ष

संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा ने विश्व के सर्वाधिक समृद्ध क्षेत्र में महाद्वीपीय सहभागियों के रूप में लंबे समय से सहयोग किया है। उत्तरी अमेरिका क्षेत्र की संयुक्त आबादी लगभग 5300 लाख और एक-चौथाई वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद से अधिक का प्रतिनिधित्व करने वाली अर्थव्यवस्था है। तीनों देश एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार और विदेशी निवेश के स्रोत हैं। इस महाद्वीप के प्रचुर प्राकृतिक संसाधन और एकीकृत महाद्वीपीय ऊर्जा बाजार अपने संबंधित नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक और सुरक्षा लाभ प्रदान करते हैं।[15]

एन.ए.एल.एस. के अलावा, तीनों देशों ने त्रि-पक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए और प्रयास जारी रखे हैं। इन प्रयासों में उत्तरी अमेरिकी प्रतिस्पर्धात्मकता कार्य-योजना (एन.ए.सी.डब्ल्यू.) और उत्तरी

अमेरिकी प्रतिस्पर्धात्मकता और नवाचार सम्मेलन (एन.ए.सी.आई.सी.) शामिल हैं। तीन सरकारों ने 2014 में एन.ए.सी.डब्ल्यू का अनुमोदन किया और इसमें त्रिपक्षीय निवेश पहल, पर्यटन सहयोग, उत्तर अमेरिकी उत्पादन मंच मजबूत करना और 21वीं सदी के कार्यबल के लिए कौशल का निर्माण करना शामिल है। एन.ए.सी.आई.सी व्यापार और सरकार के नेताओं के लिए आर्थिक मुद्दों को संबोधित करने का मंच है। 12 फरवरी, 2016 को तीनों देशों ने जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। नाफ्टा में भागीदार होने के अलावा, वे प्रशांत-पार सहभागिता समझौते (टी.पी.पी.) के भी पक्षकार हैं।

महाद्वीप की आर्थिक संवृद्धि के साथ-साथ साझी सुरक्षा और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए तीन देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता है। उनका निकट सहयोग केवल महाद्वीप तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में भी आगे बढ़ जाता है जब वे जी-20 में, अमेरिका के शिखर सम्मेलन में, अमेरिकी राज्य के संगठन के साथ या संयुक्त राष्ट्र में एक-दूसरे के साथ काम करते हैं।

एन.ए.एल.एस. ने उन्हें अपना संबंध आगे और मजबूत बनाने के लिए एक सफल मंच प्रदान किया है। तीनों देशों के बीच सूचना साझा करके सहयोग मजबूत बनाने की पहल के रूप में एन.ए.एल.एस. का शुभारंभ किया गया था। जहाँ बढ़ते हुए विदेशीजन भीति (ज़ेनोफोबिया) के साथ, पहले शिखर सम्मेलन के बाद से सुरक्षा और आर्थिक वातावरण में बदलाव आया है, वहीं गैर-पारंपरिक खतरों से उत्पन्न खतरों में वृद्धि और अधिक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों की आवश्यकता के संबंध में बढ़ता संशय, जो शिखर सम्मेलन का मार्गदर्शन करने वाला अंतर्निहित सिद्धांत है, जस का तस बना हुआ है। यह तीनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने और चिंताओं को दूर करने के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए है।

***

** डॉ स्तुति बैनर्जी इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली में रिसर्च फेलो हैं।*
अस्वीकरण: व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और परिषद के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं।

<u>अंत टिप्पण:</u>

1 M. Angeles Villarreal, "North American Leaders' Summit", *CRS Insight*, 05 July 2016, https://www.fas.org/sgp/crs/row/IN10508.pdf, Accessed on 13 July 2016.
2 Ibid.

[3] The Office of the Press Secretary, The White House, "Fact Sheet: The United States Key Deliverable for the 2016 North American Leaders' Summit", https://www.whitehouse.gov/the-press-office/2016/06/29/fact-sheet-united-states-key-deliverables-2016-north-american-leaders, Accessed on 14 July 2016.

[4] Christopher Sands, "The 2016 North American Leaders' Summit", Centre for Strategic and International Studies, https://www.csis.org/analysis/2016-north-american-leaders-summit, Accessed on 14 July 2016. Senior Associate (Non-resident), Americas Program

[5] The Office of the Press Secretary, The White House, "North American Climate, Clean Energy, and Environment Partnership Action Plan", https://www.whitehouse.gov/the-press-office/2016/06/29/north-american-climate-clean-energy-and-environment-partnership-action, Accessed on 14 July 2016.

[6] Op. Cit 01, M. Angeles Villarreal

[7] The Office of the Press Secretary, "Fact Sheet: The United States Key Deliverables for the 2016 North America Leaders' Summit", https://www.whitehouse.gov/the-press-office/2016/06/29/fact-sheet-united-states-key-deliverables-2016-north-american-leaders, Accessed on 14 July 2016.

[8] Christian Ranger, "A Roadmap for North America: Building the North American Leaders' Summits", Council of the Americas, http://www.as-coa.org/articles/roadmap-north-america-building-north-american-leaders-summits, Accessed on 13 July 2016.

[9] NADB is a bi-national financial institution capitalized and governed equally by the United States and Mexico for the purpose of financing infrastructure projects that enhance environmental conditions, promote sustainable development and improve the quality of life of people living along the U.S.-Mexico border. The Bank was specifically created by the governments of Mexico and the United States to address environmental problems and infrastructure needs along the shared border between the two countries, which have been exacerbated by rapid population growth and industrialization over several decades. The Bank's geographic scope is defined in its charter.

[10] Op. Cit 8, Christian Ranger.

[11] Office of the Press Secretary, The White House, "Fact Sheet: United States Key Deliverables for the 2016 North American Leaders' Summit", https://www.whitehouse.gov/the-press-office/2016/06/29/fact-sheet-united-states-key-deliverables-2016-north-american-leaders, Accessed on 14 July 2016

[12] Op.Cit 8, Christian Ranger.

[13] Ibid.

[14] Office of the Press Secretary, The White House, "Remarks by President Obama and President Peña Nieto of Mexico After Bilateral Meeting", https://www.whitehouse.gov/the-press-office/2016/06/29/remarks-president-obama-and-president-pe%C3%B1a-nieto-mexico-after-bilateral, Accessed on 14 July 2016

[15] Global Affairs Canada, Government of Canada, "The North American Relationship", http://www.international.gc.ca/americas-ameriques/north_america-amerique_du_nord/relationship-relation.aspx?lang=eng ,Accessed on 14 July 2016.